Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh.

Date- Class - VI
Subject - Hindi Literature Page - 1
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

पुस्तक - नवतरंग भाग-6
पाठ - 'रहीम के दोहे'
कवि - रहीम

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

यह पाठ-13 'रहीम के दोहे' कक्षा छठी की हिन्दी साहित्य का है। इस पाठ में आपको 'रहीम के दोहे' करवाए जाएँगे। यह पाठ आपको 12 दिसंबर, 2022 को भेजा जाएगा।

बच्चो! दोहों को समझने से पहले हम पाठ में आए कठिन शब्द समझ लेते हैं।

बड़ेन - बड़ा	सुक्ताहार - मोतियों का हार
डार - डालना	तरुवर - पेड़
कुसंग - बुरी संगति	सरवर - तालाब
भुजंग - साँप	बिथा - व्यथा, दुख
सुजन - सज्जन	सीतल - ठंडा

बच्चो! इस पाठ में रहीम के दोहों का वर्णन किया गया है। रहीम का पूरा नाम अब्दुल रहीम खानखाना था। वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। वे एक सेनापति, प्रशासक, दानवीर, कलाप्रेमी, कवि एवं विद्वान थे। उनके दोहे आज भी समाज को शिक्षा और समझ देने का कार्य कर रहे हैं। बच्चो! रहीम के दोहे गागर में सागर की तरह हैं जिनमें जीवन के गूढ़ रहस्य छिपे हैं। उनके दोहे मनुष्य को जीवन की कठिनाइयों का सामना करने की राह दिखाते हैं और जीवन-मूल्यों व नीति का पाठ पढ़ाकर सही मार्ग पर चलने की सीख देते हैं।

Scanned with CamScanner

Date- Class - VI
Subject- Hindi Literature Page - 2
Teacher - Ms. Roma Rani

बच्चो ! अब मैं आपको 'रहीम के दोहे' समझाने जा रही हूँ । सभी बच्चे इन्हें अपनी-अपनी पुस्तक से देख कर मेरे साथ-साथ पढ़ेंगे और ध्यानपूर्वक समझेंगे।

1. रहिमन देख बड़ेन को, लघु न दीजिए डार।
जहाँ काम आवें सुई, कहा करे तलवार ।।

बच्चो ! इस दोहे में रहीम जी हमें समझा रहे हैं कि जीवन में प्रत्येक वस्तु का अवसर के अनुसार महत्व होता है । किसी भी बड़ी वस्तु के आगे छोटी वस्तुओं को बेकार समझ कर फेंकना नहीं चाहिए । प्रत्येक वस्तु समय के अनुसार महत्वपूर्ण है । जैसे कि युद्ध में काम आने वाली तलवार फटे हुए कपड़े को सिल नहीं सकती अर्थात हमें बड़े लोगों को देखकर छोटे लोगों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

2. जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग।
चंदन विष व्यापत नहीं, लिपटे रहत भुजंग ।।

बच्चो ! इस दोहे में रहीम जी हमें समझा रहे हैं कि जो लोग अच्छी प्रकृति के होते हैं बुरा साथ भी उनका कुछ नहीं कर सकता । जैसे चन्दन के पेड़ पर सांप लिपटे रहते हैं फिर भी चंदन में जहर नहीं होता अर्थात हमें अपने चरित्र को इतना बलवान बनाना चाहिए कि उस पर किसी बाहरी ताकत का कोई प्रभाव न पड़े।

बच्चो ! मैंने आपको यहाँ तक जो दोहे समझाए हैं उनके आधार पर अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूँगी। सभी बच्चे यहाँ तीन मिनट का अंतराल लेंगे और इन प्रश्नो के उत्तर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे।

प्रश्न 1. रहीम जी का पूरा नाम क्या था?

Scanned with CamScanner

Date - Class - VI
Subject - Hindi Literature Page - 3
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

प्रश्न 2 - रहीम जी ने अपने दोहे में तलवार की तुलना किस से की है ?
प्रश्न 3 - साप कौन से पेड़ से लिपटे रहते हैं ?
बच्चो ! अब आपका अंतराल का समय समाप्त हो गया है । अब मैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर बताऊँगी।

उत्तर - 1. अब्दुल रहीम ख़ानख़ाना
उत्तर - 2. सुई से
उत्तर - 3. चन्दन के पेड़ पर
बच्चो ! अब मैं आपको आगे दोहे समझाऊँगी। आप इन्हें ध्यान से सुनेंगे एवं समझेंगे।

3. रहिमन धागा प्रेम का, मत तोरो चटकाय ।
टूटे से फिर न जुरै, जुरै गाँठि परि जाय ।।
बच्चो ! इस दोहे में रहीम जी हमें रिश्तों की अहमियत समझा रहे हैं । वे कहते हैं कि रिश्ते हमारी ज़िंदगी का एक बहुत खास हिस्सा होते हैं । हमें अपनी गलतियों और बुरे व्यवहार के कारण अपने रिश्तों के कोमल बंधन को नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए । अगर हमारी कड़वी बातों के वार से कोमल रिश्ते एक बार टूट कर अलग हो जाएँ, तो फिर उन्हें पहले जैसा करना बहुत मुश्किल हो जाता है । इसलिए हमें अपने रिश्तों को हमेशा प्यार से सहेज कर रखना चाहिए ।
4 रूठे सुजन मनाइये, जो रूठे सौ बार ।
रहिमन फिर - फिर पोहिये, टूटे मुक्ताहार ।।
बच्चो ! इस दोहे में रहीम जी हमें समझा रहे हैं कि यदि आपका कोई मित्र या बंधु रूठ जाए तो उसे सौ - सौ बार भी मनाना पड़े तो मनाइए, क्योंकि मित्रता में

Scanned with CamScanner

Date - Class - VI
Subject - Hindi Literature Page - 4
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

कोई छोटा - बड़ा नहीं होता। हमें छोटी - छोटी बातों पर अपने असाधारण संबंधों को तोड़ना नहीं चाहिए, जैसे मोतियों का हार जितनी भी बार टूटता है, उसे फिर से पिरोकर बना लिया जाता है।

बच्चो! अब मैं आपसे फिर आगे समझाए गए दोहों के आधार पर कुछ प्रश्न पूछूँगी। अब आप यहाँ तीन मिनट का अंतराल लेंगे और इन प्रश्नों के उत्तर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे।

प्रश्न 1. प्रेम का धागा क्यों नहीं तोड़ना चाहिए?
प्रश्न 2. मुक्ताहार का अर्थ लिखें।
प्रश्न 3. भुजंग के पर्यायवाची लिखें -
प्रश्न 4. सुजन का अर्थ लिखें।

बच्चो! अब आपका अंतराल का समय समाप्त हो गया है। अब मैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर बताऊँगी।

उत्तर 1. प्रेम रूपी धागा तोड़ने पर उस पर गाँठ पड़ जाती है।
उत्तर 2. मोतियों का हार
उत्तर 3. साँप, सर्प
उत्तर 4. सज्जन

बच्चो अब हम आगे दोहे करेंगे सभी बच्चे इन्हें ध्यान-पूर्वक पढ़ेंगे एवं समझेंगे।

यों रहीम सुख होत है, पर उपकारी संग।
बाँटन वारे को लगे, ज्यों मेहंदी को रंग॥

बच्चो! इस दोहे में रहीम जी समझा रहे हैं कि हमें सदा

Scanned with CamScanner

Date -   Class - VI
Subject - Hindi Literature   Page - 5
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

दूसरों की सेवा करनी चाहिए क्योंकि सेवा भाव मनुष्य का गहना है। यदि हम दूसरों के प्रति अच्छे भाव रखेंगे तो वही भाव वापस हमारे पास आएँगे जिस प्रकार जो यदि हम फूलों की खेती करते हैं तो प्रकृति हमारे पथ में फूल बिछा देती है और जो दूसरे के लिए मेहंदी पीसता है उसके हाथ स्वयं ही रंग जाते हैं। इस प्रकार दूसरों के लिए अच्छे भाव रखने वाला व्यक्ति सदैव खुश रहता है।

बच्चो! आज हम यहीं तक दोहे करेंगे। आशा है आपको यह अच्छे से समझ आए होंगे। अब मैं आपको गृह कार्य दूँगी। जिसे सभी बच्चे अपनी हिन्दी साहित्य की उत्तर पुस्तिका में करेंगे।

गृह कार्य :-

- बच्चो! आप इस पाठ के पृष्ठ - 104 पर आए शब्द अर्थ अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।
- बच्चो! आप इन शब्द अर्थ को याद भी करेंगे।

धन्यवाद!

Last page.

Scanned with CamScanner